सूचना और प्रसारण मंत्रालय में उपमंत्री (कुमारी गिरिजा व्यास) : (क) भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक के कार्यालय द्वारा रखे गये रिकार्ड के अनुसार 1.6.1992 को 212 आवेदन लंबित पड़े थे ।

(ख) और (ग) ऐसी शिकायतों के मामलों पर शीघ्र कार्रवाई की जाती है । इसके अलावा भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक द्वारा पंजीयन के लिए लंबित आवेदनों की साप्ताहिक आधार पर मानीटरिंग की जाती है ।

समाचारपत्रों और पत्रिकाओं में भविष्यवाणियों का प्रकाशन

2354. **डा० बापू कालदाते** : क्या **सूचना और प्रसारण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कुछ समाचारपत्रों और पत्रिकाओं में हर सप्ताह भविष्यवाणियां प्रकाशित की जाती हैं;

(ख) क्या यह भी सच है कि ऐसी भविष्यवाणियों को पढ़ कर पाठकगण प्रायः भ्रमित होते हैं;

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार ऐसी भविष्यवाणियों के प्रकाशन पर रोक लगाने का विचार रखती है;

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौर क्या है; और

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय में उपमंत्री (कुमारी गिरिजा व्यास) : समाचारपत्र तथा पत्रिकाएं निजी क्षेत्र की होने के कारण इन पर सरकार का कोई प्रशासनिक नियंत्रण नहीं होता । प्रेस की स्वतंत्रता को बनाए रखने वाली नीति का अनुसरण करते हुए सरकार इनके आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करती । समाचारपत्रों तथा पत्रिकाओं को अपनी आंतरिक कार्यप्रणाली में स्वायत्तता और संपादकीय स्वतंत्रता प्राप्त है । सरकार का इस प्रकार की भविष्यवाणियों के प्रकाशन पर कोई प्रतिबंध लगाने का विचार नहीं है ।

विभिन्न समाचारपत्रों में विज्ञापनों पर हुआ व्यय

2355. **श्री मोहम्मद अफ़ज़ल** उर्फ **मीम अफ़ज़ल** : क्या **सूचना और प्रसारण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1989-90, 1990-91 और 1991-92 के दौरान विज्ञापनों के प्रकाशन के लिए मंत्रालयों अथवा उनके विभागों द्वारा विज्ञापन तथा दृश्य प्रचार निदेशालय को भुगतान की गई धनराशि का ब्यौरा क्या है; और

(ख) उन समाचारपत्रों का भाषावार ब्यौरा क्या है जिनमें ये विज्ञापन प्रकाशित हुए और उक्त अवधि के दौरान मंत्रालयों से कितनी धनराशि प्राप्त हुई और विज्ञापनों पर कितनी धनराशि खर्च की गई ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय में उपमंत्री (कुमारी गिरिजा व्यास) : (क) मंत्रालयों अथवा उनके विभागों द्वारा विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय को अदा की गई राशि और निदेशालय द्वारा विज्ञापनों के प्रकाशन के लिए उपयोग में लाई गई राशि का ब्यौरा इस प्रकार है :-

(रुपये लाख में)

1989-90	1990-91	1991-92
1064.50	2085.22	1422.56

(ख) विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय द्वारा उन समाचारपत्रों जिन्हें विज्ञापन जारी किए गये, का भाषावार ब्यौरा, प्रत्येक मंत्रालय/विभाग के संबंध में विज्ञापनों पर खर्च की गयी राशि सहित अलग से नहीं रखा जाता ।